समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्कूल से स्पेस तक का सफर : बने पहले भारतीय जो जाएंगे इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन।

Publisher

Published on 25 Jun 2025

लखनऊ से शुरू हुआ सफर, NDA और IISC की पढ़ाई के बाद एयरफोर्स मे बंने फाइटर पायलट, अब अंतरिक्ष मे रंचेगें इतिहास।

नई दिल्ली | विज्ञान और रक्षा संवाददाता : भारत ने अंतरिक्ष की दुनिया में एक नया अध्याय जोड़ दिया है। **भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला** अब अंतरिक्ष की ओर रुख कर चुके हैं। **Axiom-4 मिशन** के तहत **शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS)** जाने वाले पहले **भारतीय** बनने जा रहे हैं।

लखनऊ से शुरू हुआ सफर
10 अक्टूबर 1985 को उत्तर प्रदेश की राजधानी **लखनऊ** के त्रिवेणी नगर में जन्मे शुभांशु शुक्ला **एक साधारण परिवार** से आते हैं। उन्होंने अपनी **प्रारंभिक शिक्षा सिटी मॉन्टेसरी स्कूल** से ली। इसके बाद उनका चयन **नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA), पुणे** में हुआ, जहां उन्होंने **B.Tech की डिग्री** प्राप्त की। फिर **IISc बेंगलुरु से M.Tech** कर अपनी शिक्षा को और मजबूत किया।

एयरफोर्स मे उत्कृष्ट सेवाएं
2006 मे भारतीय वायुसेना में शामिल होने के बाद **शुभांशु एक फाइटर पायलट** के रूप में शानदार सेवा दे चुके हैं। **वह मिग-21, मिग-29, सुखोई-30 MKI, जैगुआर, हॉक, डॉर्नियर, AN-32** जैसे कई विमानों को उड़ा चुके हैं। उन्हें **मार्च 2024 मे ग्रुप कैप्टन** की रैंक मिली।

अंतरिक्ष की ओर पहला कदम
2019 में **शुभांशु को ISRO के गगनयान मिशन** के लिए चयनित किया गया। इसके लिए उन्होंने रूस के यूरी गागरिन ट्रेनिंग सेंटर में एक साल की कठोर ट्रेनिंग ली। **फरवरी 2024** में **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** ने उन्हें गगनयान के चार संभावित अंतरिक्ष यात्रियों में शामिल किया।

हालांकि **गगनयान मिशन 2025** में लॉन्च होगा, लेकिन **शुभांशु** को पहले ही **Axiom-4 मिशन** में शामिल कर अंतरिक्ष में भेजा जा रहा है। इस मिशन में उनका कॉल साइन '**Shux**' होगा।

विज्ञान और संस्कृति के प्रतिनिधि
Axiom-4 मिशन में कुल **60 वैज्ञानिक प्रयोग** किए जाएंगे, जिनमें से **7 ISRO द्वारा** तैयार किए गए हैं। शुभांशु इनमें से 5 में

सक्रिय भूमिका निभाएंगे। वह अंतरिक्ष में **भारत की संस्कृति, योग, और विविधता को भी प्रतिनिधित्व देगें**।

निजी जीवन

परिवार में शुभांशु को प्यार से '**गुंजन**' बुलाया जाता है। उनकी **पत्नी एक डेंटिस्ट** हैं और उनका **एक चार साल का बेटा** है। शुभांशु खुद को फिट रखने के लिए **नियमित डाइट** और **वर्कआउट** को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं।

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का सफर स्कूल से लेकर अंतरिक्ष तक न सिर्फ प्रेरणादायक है, बल्कि **भारतीय युवाओं के लिए एक आदर्श भी** है। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि **दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत** और **समर्पण** से कोई भी ऊंचाई पाई जा सकती है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.